DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 May, 2024

पाषाण युग या लकड़ी (काष्ठ) युग

संदर्भ: *हालिया शोधों के अनुसार, पाषाण युग, जिसे पारंपरिक रूप से मनुष्यों और हमारे पूर्वजों द्वारा पत्थर के औजारों के उपयोग की विशेषता के कारण जाना जाता है; को अधिक सटीक रूप से 'लकड़ी (काष्ठ) युग' के रूप में चिन्हित किया जा सकता है।*

जर्मनी के शोनिंगन में लकड़ी की कलाकृतियों की हालिया खोज:

- हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में जर्मनी के स्कोनिंगन में एक कोयला खदान से खोदी गई 300,000-400,000 वर्ष पुरानी लकड़ी की कलाकृतियों की जांच की गई।
- ये कलाकृतियाँ केवल "नुकीली छड़ें" नहीं थीं, बल्कि तकनीकी रूप से उन्नत उपकरण थे, जिनके निर्माण के लिए कौशल, सटीकता और समय की आवश्यकता होती थी।
- जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन में 187 लकड़ी की कलाकृतियों की पहचान की गई, जो विभिन्न प्रकार की लकड़ी-काम करने वाली तकनीकों जैसे काटना, स्क्रैपिंग और घर्षण की प्रक्रिया से संदर्भित हैं।

मानव प्रागैतिहासिक काल का आवधिकरण

- "इतिहास" शब्द की शुरुआत लेखन के आगमन के साथ हुई, जबकि इससे पहले की हर चीज़ को "प्रागैतिहासिक" माना जाता है और इसका अध्ययन मुख्य रूप से पुरातात्विक साक्ष्यों के माध्यम से किया जाता है।
- डेनिश पुरातत्वविद् क्रिश्चियन जुर्गेंसन थॉमसन ने तकनीकी प्रगति के आधार पर मानव प्रागैतिहासिक काल को पाषाण युग, कांस्य युग और लौह युग में विभाजित किया।
- पाषाण युग, जिसमें मानव इतिहास का 99% शामिल है, को पुरापाषाण, मध्यपाषाण और नवपाषाण काल में विभाजित किया गया है।

प्रागैतिहासिक अध्ययन में संरक्षण पूर्वाग्रह के कारण

- पुरातात्विक साक्ष्य पाषाण युग के वर्गीकरण का आधार बनते हैं, लेकिन संरक्षण पूर्वाग्रह पुरातनता की हमारी समझ को विकृत कर देता है।
- पत्थर के औजारों के साक्ष्य के बावजूद, समय के साथ गिरावट के कारण लकड़ी जैसी अन्य सामग्रियों के साक्ष्य सीमित हैं।
- पुरापाषाण काल के लकड़ी के अवशेषों की अनुपस्थिति यह इंगित नहीं करती कि लकड़ी का उपयोग नहीं किया जाता था।

स्कोनिंगन खोजों का महत्व

- शॉनिंगन की नमी और ऑक्सीजन-रहित मिट्टी की स्थिति के कारण प्रागैतिहासिक लकड़ी की कलाकृतियों का असाधारण संरक्षण हुआ।
- साइट के अच्छी तरह से संरक्षित लकड़ी के उपकरण, जिनमें शिकार के हथियार और घरेलू उपकरण शामिल हैं, पूर्व-आधुनिक मानव क्षमताओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।
- दुनिया के सबसे पुराने संरक्षित शिकार हथियारों की खोज प्रारंभिक मानव व्यवहार और संस्कृति के बारे में पिछली धारणाओं को चुनौती देती है।

लकड़ी की कलाकृतियों की तकनीकी जटिलता

- 3-डी माइक्रोस्कोप और माइक्रो-सीटी स्कैनर जैसी उन्नत इमेजिंग तकनीकों से लकड़ी की कलाकृतियों पर टूट-फूट और कट के निशान का पता चला।
- लकड़ी के भालों ने लकड़ी को विभाजित करने और टूटने के बाद फिर से तेज करने के प्रमाण दिखाए, जो मरम्मत और नए उपकरणों में पुनर्चक्रण का संकेत देते हैं।
- शोनिंगन के निष्कर्ष कच्चे माल के रूप में लकड़ी के महत्व और पूर्व-आधुनिक मनुष्यों की परिष्कृत लकड़ी की क्षमताओं का उल्लेख करते हैं।\

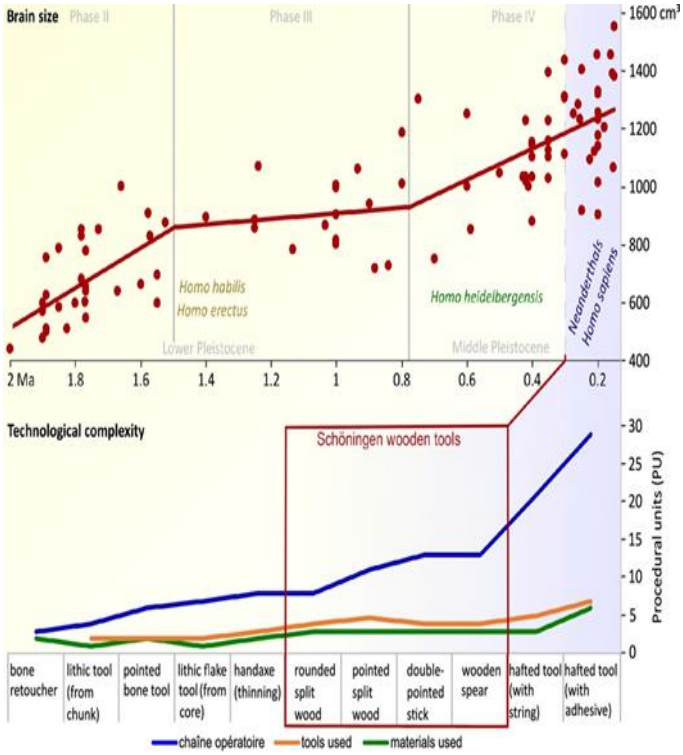

सिंक्रोट्रॉन

संदर्भ: *चीन का उच्च ऊर्जा फोटॉन स्रोत (एचईपीएस), एशिया का पहला चौथी पीढ़ी का सिंक्रोट्रॉन प्रकाश स्रोत, इस वर्ष के अंत तक काम करना शुरू कर देगा।*

सिंक्रोट्रॉन का परिचय:

- सिंक्रोट्रॉन साइक्लोट्रॉन से प्राप्त एक चक्रीय कण त्वरक है।
- यह एक चुंबकीय क्षेत्र के साथ एक बंद-लूप पथ के साथ एक कण किरण का मार्गदर्शन करके संचालित होता है जो कणों की बढ़ती गतिज ऊर्जा के साथ सिंक्रनाइज़ होने के लिए समय के साथ बढ़ता है।
- सिंक्रोट्रॉन त्वरक झुकने, बीम फोकसिंग और त्वरण घटकों को अलग करने के कारण बड़े पैमाने पर सुविधाओं की सुविधा प्रदान करते हैं।

सिंक्रोट्रॉन मशीनों के प्रकार:

- **भंडारण रिंग:** यह कणों की निरंतर गतिज ऊर्जा बनाए रखता है।
- **सिंक्रोट्रॉन प्रकाश स्रोत**: यह प्रायोगिक स्टेशनों के लिए भंडारण रिंग में विद्युत चुम्बकीय विकिरण उत्पन्न करता है।
- **चक्रीय कोलाइडर**: इसमें कण टकराव के लिए प्रतिच्छेदी भंडारण रिंग शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

18 May, 2024

➢ **संचालन का सिद्धांत:**

- यह समय के साथ चुंबकीय क्षेत्र की ताकत का अनुकूलन निरंतर परिसंचरण पथ को बनाए रखते हुए कण त्वरण की अनुमति देता है।
- इसका दृढ़ फोकसिंग सिद्धांत कण पथ के साथ विशेष कार्यों सहित त्वरक को घटकों में अलग करता है।
- इसके घटकों में प्रत्यक्ष त्वरण के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी कैविटी, कण विक्षेपण के लिए द्विध्रुव मैग्नेट, और बीम फोकसिंग के लिए क्वाड्रुपोल/सेक्सटुपोल मैग्नेट शामिल हैं।

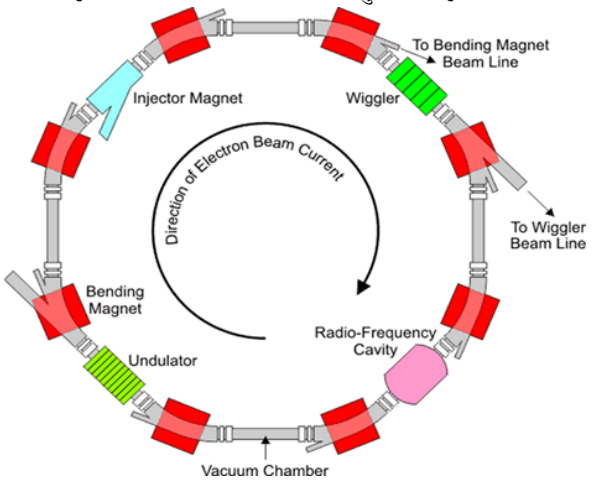

➢ **बड़े पैमाने पर सुविधाओं में आवेदन:**

- सिंक्रोट्रॉन आधुनिक बड़े पैमाने पर त्वरक सुविधाओं जैसे कोलाइडर और सिंक्रोट्रॉन प्रकाश स्रोतों के निर्माण और संचालन को सक्षम बनाता है।
- बंद पथ के साथ प्रत्यक्ष रूप से रेडियो आवृत्ति, कण डिटेक्टरों और फोटॉन पीढ़ी उपकरणों को समायोजित करते हैं।

➢ **इंजेक्शन प्रक्रिया:**

- सिंक्रोट्रॉन को इंजेक्शन के लिए पूर्व-त्वरित कण बीम की आवश्यकता होती है।
- पूर्व-त्वरण को लिनाक्स, माइक्रोट्रॉन या अन्य सिंक्रोट्रॉन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- द्विध्रुव चुंबक क्षेत्र की ताकत को इंजेक्शन और उसके बाद के त्वरण चक्रों के लिए समायोजित किया जाता है।

➢ **बड़े पैमाने की सुविधाओं में सिंक्रोट्रॉन:**

- उदाहरणों में बेवाट्रॉन और कॉस्मोट्रॉन, प्रारंभिक बड़े सिंक्रोट्रॉन शामिल हैं।
- टेवाट्रॉन और लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (LHC) उल्लेखनीय आधुनिक सिंक्रोट्रॉन हैं जिनका उपयोग उच्च-ऊर्जा कण टकराव के लिए किया जाता है।

➢ **सिंक्रोट्रॉन विकिरण के अनुप्रयोग:**

- सिंक्रोट्रॉन विकिरण जीवन विज्ञान, दवा खोज, चिकित्सा इमेजिंग और अर्धचालक सामग्री विश्लेषण सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोग पाता है।
- यूरोपीय सिंक्रोट्रॉन विकिरण सुविधा (ESRF) और उन्नत फोटॉन स्रोत (APS) जैसी सुविधाएं विश्व स्तर पर अत्याधुनिक अनुसंधान में योगदान करती हैं।

राजनीतिक दलों के लिए चुनाव के दौरान राज्य-वित्त पोषित मीडिया का उपयोग करने के नियम

***संदर्भ**: विपक्षी नेताओं सीताराम येचुरी और जी देवराजन को मौजूदा लोकसभा चुनावों से पहले दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित अपने भाषणों में संशोधन करने के लिए कहा गया था।*

➢ **राज्य मीडिया पर समय का आवंटन:**

- वर्ष 1998 के लोकसभा चुनावों के बाद से, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को चुनावों के दौरान राज्य के स्वामित्व वाले टेलीविजन और रेडियो तक पहुंच प्रदान की गई है।
- भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) चुनाव अभियान शुरू होने से पहले प्रत्येक मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य पार्टी को आवंटित समय की मात्रा तय करता है।
- राष्ट्रीय दलों को सामूहिक रूप से दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर न्यूनतम 10 घंटे और क्षेत्रीय चैनलों पर 15 घंटे का प्रसारण समय मिलता है। उन्हें आकाशवाणी के राष्ट्रीय हुक-अप पर 10 घंटे और क्षेत्रीय आकाशवाणी स्टेशनों पर 15 घंटे का प्रसारण समय भी मिलता है।
- राज्य दलों को सामूहिक रूप से उपयुक्त क्षेत्रीय दूरदर्शन चैनल और आकाशवाणी रेडियो स्टेशन पर न्यूनतम 30 घंटे का प्रसारण समय मिलता है।

➢ **भाषणों की सामग्री पर दिशानिर्देश:**

- पार्टियों और उनके वक्ताओं को रिकॉर्डिंग से तीन से चार दिन पहले अपने भाषणों की प्रतिलेख जमा करना आवश्यक है, जिसे संबंधित आकाशवाणी और दूरदर्शन स्टेशनों में संबंधित अधिकारियों द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
- ईसीआई के दिशानिर्देश विभिन्न प्रकार की सामग्री पर प्रतिबंध लगाते हैं, जिसमें अन्य देशों की आलोचना, धर्मों या समुदायों पर हमले, अश्लील या अपमानजनक भाषा, हिंसा भड़काना, अदालत की अवमानना, राष्ट्रपति और न्यायपालिका की अखंडता के खिलाफ आक्षेप, एकता को प्रभावित करने वाली टिप्पणियां शामिल हैं। राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और किसी व्यक्ति विशेष के नाम पर आलोचना।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

हाल ही में, सूचना और प्रसारण सचिव संजय जाजू ने फ्रांस में 77वें कान्स फिल्म महोत्सव में 55वें भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, आईएफएफआई के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण किया।

भारत अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के बारे में:

- भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) एक वार्षिक कार्यक्रम है जो सिनेमाई उत्कृष्टता प्रदर्शित करता है और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।
- यह वर्ष 2004 से गोवा में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है और गोवा सरकार और सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाता है।
- इस महोत्सव की स्थापना 1952 में भारत सरकार के फिल्म प्रभाग द्वारा भारत के पहले प्रधान मंत्री के सहयोग से की गई थी।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- यह एशिया के सबसे महत्वपूर्ण फिल्म समारोहों में से एक है और इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (FIAPF) द्वारा मान्यता प्राप्त है।
- यह कान्स, वेनिस और बर्लिन के साथ यह मान्यता प्राप्त करने वाले दुनिया भर के केवल 14 फिल्म महोत्सवों में से एक है।
- महोत्सव का पहला संस्करण 1952 में मुंबई में आयोजित किया गया था और तब से यह दिल्ली, मद्रास, तिरुवनंतपुरम और कलकत्ता में आयोजित किया गया है।
- 55वां IFFI 20-28 नवंबर, 2024 तक गोवा में आयोजित किया जाएगा।

कोर्टालम झरना

हाल ही में, अचानक भारी बारिश के बीच ओल्ड कोर्टालम झरने में पानी बढ़ गया, जिससे तमिलनाडु में अचानक बाढ़ आ गई।

कोर्टालम फॉल्स के बारे में:

- कोर्टालम तमिलनाडु के तेनकासी जिले में पश्चिमी घाट पर स्थित है।
- इन झरनों के पानी में नहाने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के कारण इन्हें "दक्षिण भारत का स्पा" भी कहा जाता है।
- इस झरने की ऊंचाई लगभग 60 मीटर (लगभग 200 फीट) है।
- कुट्रालम के जलप्रपातों का औषधीय महत्व है क्योंकि वे अपने अस्तित्व से पहले जंगल और जड़ी-बूटियों से होकर गुजरते हैं।
- झरनों को चित्तर नदी से पानी मिलता है, जो तमिरापरानी नदी की एक सहायक नदी है।

डेडा विधि

हाल ही में, एक मुरिया जनजाति, जो मूल रूप से छत्तीसगढ़ की है और अब गोदावरी घाटी के घने जंगलों में रहती है, को खेती की 'डेडा' पद्धति का अभ्यास करते हुए देखा गया है।

डेडा विधि के बारे में:

- डेडा विधि छत्तीसगढ़ की मुरिया जनजातियों द्वारा उपयोग की जाने वाली बीजों को संरक्षित करने की एक पारंपरिक, पर्यावरण-अनुकूल विधि है, जिसे गुट्टी कोया भी कहा जाता है।
- इस विधि में बीजों को पत्तियों में संरक्षित करना और उन्हें लगभग वायुरोधी पैक करना शामिल है ताकि वे दूर से बोल्डर की तरह दिखें।
- फिर पैक किए गए बीजों को सियाली की पत्तियों से बुना जाता है, जिन्हें "अड्डाकुलु" भी कहा जाता है, ताकि डेडा बनाया जा सके, जिसमें तीन परतें होती हैं।
- पहली परत में सियाली की पत्तियों के अंदर लकड़ी की राख फैलाई जाती है।
- बाद में, राख को एक आवरण बनाने के लिए नींबू के पत्तों से ढक दिया जाता है, और अंत में, बीजों को आवरण के अंदर संरक्षित किया जाता है और सील कर दिया जाता है।
- डेडा विधि कीटों और कीड़ों से बीज की सुरक्षा की गारंटी देती है।
- इस विधि में संग्रहित बीजों का उपयोग पांच साल तक खेती के लिए किया जा सकता है।

सुर्खियों में व्यक्तित्व
सुखदेव थापर

5 मई को सुखदेव थापर को उनकी जयंती पर राष्ट्र ने नमन किया।

सुखदेव थापर (15 मई 1907 - 23 मार्च 1931)

भारत की आजादी के लिए ब्रिटिश सरकार के खिलाफ लड़ने वाले भारतीय स्वतंत्रता सेनानी सुखदेव थापर का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब प्रांत के लुधियाना में हुआ था।

योगदान:

- वह अपने कॉलेज के वर्षों के दौरान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदार बने।
- वह भगत सिंह और चन्द्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाले क्रांतिकारी संगठन हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) के सदस्य थे।
- वह लाहौर षडयंत्र केस सहित ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध क्रांतिकारी कृत्यों में शामिल थे।
- अन्य क्रांतिकारियों के साथ मिलकर उन्होंने 1926 में नौजवान भारत सभा की शुरुआत की।
- इस दिन को भारत में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसमें भगत सिंह और शिवराम राजगुरु के साथ सुखदेव थापर की स्मृति का सम्मान किया जाता है, जिन्हें लाहौर षड्यंत्र मामले में उनकी भूमिका के लिए 23 मार्च 1931 को फांसी दी गई थी।

सुर्खियों में स्थल

मंगोलिया

हाल ही में भारत और मंगोलिया के रक्षा मंत्रालयों के बीच 12वीं संयुक्त कार्य समूह की बैठक मंगोलिया के उलानबातर में संपन्न हुई।

मंगोलिया (राजधानी: उलानबटार)

अवस्थिति : मंगोलिया पूर्वी एशिया में एक भूमि से घिरा देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: मंगोलिया की सीमाएँ रूस (उत्तर) और चीन (पूर्व, पश्चिम और दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- मंगोलिया में सबसे ऊँचा स्थान खोटेन पीक (जिसे खुइटेन पीक या नायरमडल पीक भी कहा जाता है) है, जो अल्ताई पर्वत में तवन बोगड मासिफ का हिस्सा है।
- गोबी रेगिस्तान दुनिया के सबसे बड़े रेगिस्तानों में से एक है और दक्षिणी मंगोलिया और उत्तरी चीन तक फैला हुआ है।
- मंगोलिया की प्रमुख नदियाँ सेलेंज (मंगोलिया की सबसे बड़ी नदी), ओरखोन, तुउल और खेरलेन हैं।

सदस्यता: मंगोलिया संयुक्त राष्ट्र (यूएन), विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ में एक पर्यवेक्षक राज्य के रूप में) सहित कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- किस सरकारी प्रस्ताव के कारण राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) का निर्माण हुआ, जिसने हाल ही में अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप आदि से संबंधित विभिन्न दवाओं की कीमतों में कटौती की है। – **1997 में भारत सरकार का एक संकल्प**
- किस संवैधानिक संशोधन ने अनुच्छेद 338बी को शामिल करके राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) को संवैधानिक दर्जा दिया? – **102वाँ संविधान संशोधन अधिनियम**
- किस संवैधानिक संशोधन ने संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटा दिया और इसे अनुच्छेद 300A के तहत संवैधानिक अधिकार बना दिया? – **44वाँ संवैधानिक संशोधन (1978)**
- दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) में कितने सदस्य देश शामिल हैं, जिसकी स्थापना 1985 में ढाका में SAARC चार्टर के माध्यम से की गई थी? – **8 (भारत, भूटान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और मालदीव)**
- 22 मई को न्यूजीलैंड से लॉन्च होने वाले आगामी नासा मिशन का नाम क्या है? – **प्रीफ़ायर (फ़ार-इन्फ़्रारेड प्रयोग में ध्रुवीय दीप्तिमान ऊर्जा)**